श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

शिवरात्रि साधना-२६-०२-२०२५

जीवन को पूर्णता देने वाली पारद शिवलिंग साधना

यह साधना आर्थिक उन्नति,व्यापार वृद्धि,रोग निवारण,पारिवारिक समस्या निवारण,सभी कार्यो के लिए सर्वश्रेष्ठ एवं अद्वितीय माना गया है |

सामाग्री: पारद शिवलिंग,चैतन्य रुद्राक्ष माला एवं प्रभंजन गुटिका और तीन रुद्राक्ष के बीज |

समय: दिन या रात्री या दोपहर को कर सकते है |

माला: २१ माला जप करे ,५ दिन (किसी भी माह नवमी से त्रयोदशी)

वस्त्र: सफेद

दिशा: पूर्व या उत्तर

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व या उत्तर दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | शिवलिंग की यथाशक्ति पूजन कर गुटिका एवं रुद्राक्ष के दाने स्थापित कर जप करे |

संकल्प: पूर्ण भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति हेतु |

मंत्र: || ॐ ह्रीं तेजसे श्रीं कामसे क्रीं पूर्णत्व सिद्धिं देहि पारदाय क्रीं श्रीं ह्रीं ॐ ||

साधना के उपरांत गुटिका एवं रुद्राक्ष के दाने गले में धारण करे और शिवलिंग को पूजा स्थान में स्थापित करे |

पारद शिवलिंग साधना जिहोने संपन्न किया है,वे इस साधना का कई तरिकों से प्रयोग / उपयोग कर सकते है |

- अगर कोई आम बीमारी हो,जैसे बुखार आना बार बार अस्वस्थ होना आदि,तो इस मंत्र को प्रभंजन गुटिका और रुद्राक्ष दानो को की पानी के पत्र मे रख कर,१ माला या ३ माला एक दिन जप करे और उस जल/पानी को रोगी को पिलाने से,स्वास्थ मे सुधार होगी |
- अगर कोई बडी बिमारी हो तो, प्रभंजन गुटिका एवं रुद्राक्ष रोगी के गले में पहना कर,५दिनो तक इस मंत्र की ११ माला जप करे तो,रोग शांत होगा |
- अगर कोई भयंकर बिमारी(जैसे कांसर,एइड्स आदि) हो तो रोगी स्वयं इस मंत्र का २१ दिनो तक नित्या ११ माला या २१ माला जप करे तो कष्ट कम होगा |
- धन की समस्या हो तो,बुधवर को २१ माला जप पुनः कर ने से समस्या का समाधान संभव है |
- घोर विपत्ती या कष्ट हो तो, तेल के १०१ दीपक लगाकर,मंगलवार को ५१माला जपकरे तो,शांती मिलेगी |

****